हिन्दुस्तान

एम्स ऋषिकेश में नर्सिंग डे पर आयोजित कार्यक्रम में उत्तराखंड के राज्यपाल ले. जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने की शिरकत

नर्सिंग मानव सेवा का सशक्त माध्यम: राज्यपाल

संबोधन

ऋषिकेश, वरिष्ठ संवाददाता। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह ने कहा कि बुझते चिराग को फिर से प्रकाशमय करने की शक्ति केवल चिकित्सकों में ही होती है। ऐसे में हमें संकल्प लेने की आवश्यकता है कि कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित न रहे।

उन्होंने कहा कि एम्स ऋषिकेश आस्था, विश्वास और जीवन रक्षा का केंद्र अहम है। एम्स ने राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच आसान की है। यह संस्थान चिकित्सा सेवा के माध्यम से केवल चिकित्सा विज्ञान ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में साधना को भी मजबूत कर रहा है।

राज्यपाल मंगलवार को एम्स ऋषिकेश के मुख्य सभागार में आयोजित ट्रांसफोर्मिंग लाइव्स थ्रो एडवांस ट्रामा केयर, आर्गन डोनेशन एंड नर्सिंग एक्सलेंस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एम्स ऋषिकेश ने स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में मिसाल कायम कर नए मानक स्थापित किए हैं। खासतौर से उन्होंने हेली मेडिकल इमरजेंसी सर्विस और संस्थान की ट्रामा मेडिकल सेवाओं को राज्य के लिए वरदान बताया। राज्यपाल ने नर्सिंग पेशे को सर्वोच्च सम्मानित पेशा बताते हुए इसे मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि नर्स में ममत्व की भावना होती हैं और वह भावनात्मक रूप से प्रत्येक रोगी की स्वास्थ्य देखभाल करना अपना पहला कर्तव्य समझती हैं। राज्यपाल ने एम्स की हेलीबोर्न एम्बुलेंस, टेलिमेडिसिन और ड्रोन मेडिकल सेवा का जिक्र करते हुए संस्थान के ट्रामा मैनेजमेंट और हेल्थ मैनेजमेंट को अग्रणी बताया। संस्थान की निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने जर्नी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांट, ट्रामा टेलिमेडिसिन, नर्सिंग प्रोफेशनल सहित संस्थान की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा अभी तक 23 किडनी ट्रांसप्लांट और एक लीवर ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किया जा चुका है। बताया कि चारधाम यात्रियों की स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए चिकित्सकों को विशेष तौर से प्रशिक्षित किया गया है। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि मिलिट्री नर्सिंग सेवा से रिटायर्ड कर्नल बीनू शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्या श्री, ट्रामा विभाग के हेड प्रो. कमर आजम, संस्थान में हेली इमरजेन्सी सेवा के नोडल ऑफिसर डॉ. मधुर उनियाल ने संबोधित किया।

एम्स ऋषिकेश में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ करते राज्यपाल ले. जनरल (सेनि.) गुरमीत सिंह। • हिन्दुस्तान

एम्स ऋषिकेश में मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में अंगदान करने वाली बिजनौर की युवती निधि के परिजनों को सम्मानित करते राज्यपाल गुरमीत सिंह। • हिन्दुस्तान

- हेली एंबुलेंस से ट्रॉमा केयर तक एम्स ऋषिकेश ने गढ़े नए मानक
- हेली मेडिकल इमरजेंसी- ड्रोन सेवा को बताया राज्य के लिए वरदान

राज्यपाल ने अंगदाताओं के परिजनों को नवाजा

ऋषिकेश। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने एम्स ऋषिकेश में अंगदान करने वाले 3 डिसीज्ड ऑर्गन डोनर और 12 लाइव ऑर्गन डोनरों के परिजनों को मंच से सम्मानित किया। इनमें डिसीज्ड ऑर्गन डोनर सचिन, रघु पासवान और निधि के परिजनों सहित किडनी और लीवर सहित शरीर के अन्य अंगों का दान कर चुके लोगों के परिजन भी शामिल रहे। मौके पर राज्यपाल ने अंगदान को मानवता का सबसे बड़ा दान बताया और कहा कि अंगदान के प्रति जागरूकता का अभियान रुकना नहीं चाहिए।

प्रधान टाइम्स

चिकित्सा विज्ञान के साथ स्वास्थ्य साधना को भी मजबूत कर रहा एम्स

○ एम्स में आयोजित हुआ कार्यक्रम, राज्यपाल ने किया संबोधित ○ अंगदाताओं के परिजनों को किया सम्मानित

- राजेश शर्मा

ऋषिकेश। राज्यपाल ले. जनरल सेवानिवृत गुरमीत सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, एम्स ऋषिकेश आस्था, विश्वास और जीवन रक्षा का केन्द्र है। एम्स ने राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच आसान की है और यह संस्थान चिकित्सा सेवा के माध्यम से केवल चिकित्सा विज्ञान ही नहीं अपितु स्वास्थ्य के क्षेत्र में साधना को भी मजबूत कर रहा है राज्यपाल मंगलवार को एम्स, ऋषिकेश के मुख्य सभागार में आयोजित 'ट्रांसफोर्मिंग लाइव्स थ्रो एडवांस ट्रॉमा केयर, आर्गन डोनेशन एण्ड नर्सिंग एक्सलेंस' कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एम्स ऋषिकेश ने स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में मिसाल कायम कर नए मानक स्थापित किए हैं। खासतौर से उन्होंने हेली मेडिकल इमरजेन्सी सर्विस और संस्थान की ट्रॉमा मेडिकल सेवाओं को राज्य के लिए वरदान बताया।

राज्यपाल ने कहा कि बुझते चिराग को फिर से प्रकाशमय करने की शक्ति केवल चिकित्सकों में ही होती है। ऐसे में हमें संकल्प लेने की आवश्यकता है, कि कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित न रहे। नर्सिंग पेशे को सर्वोच्च सम्मानित पेशा बताते हुए उन्होंने इसे मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम बताया। कहा कि नर्स में ममत्व की भावना होती है और वह भावनात्मक रूप से प्रत्येक रोगी की स्वास्थ्य देखभाल करना अपना पहला कर्तव्य समझती है। राज्यपाल ने एम्स की हेलीबोर्न एम्बुलेंस, टेलिमेडिसिन और ड्रोन मेडिकल सेवा का जिक्र करते हुए संस्थान के ट्रॉमा मैनेजमेन्ट और हेल्थ मैनेजमेन्ट को अग्रणी बताया। साथ ही उन्होंने एम्स के ट्रॉमा विभाग को संकटमोचक विभाग की भी संज्ञा दी। इससे पूर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह ने जर्नी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांट, ट्रॉमा टेलिमेडिसिन, नर्सिंग प्रोफेशनल सहित संस्थान की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा अभी तक 23 किडनी ट्रांसप्लांट और एक लीवर ट्रांसप्लांट सफलता पूर्वक किया जा चुका है। बताया कि चारधाम यात्रियों की स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए चिकित्सकों को विशेष तौर से प्रशिक्षित किया गया है।

कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि मिलिट्री नर्सिंग सेवा से रिटायर्ड कर्नल बीनू शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्या श्री, ट्रॉमा विभाग के हेड प्रो. कमर आजम, संस्थान में हेली इमरजेन्सी मेडिकल सेवा के नोडल ऑफिसर और ट्रॉमा सर्जन डॉ. मधुर उनियाल, डीन एकाडमिक प्रो. बी.के बस्तिया आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान संस्थान के उप निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा, डीन रिसर्च प्रो. शैलेन्द्र हाण्डू, विभिन्न विभागाध्यक्ष, फेकल्टी सदस्य, ऑर्गन ट्रांसप्लांट कमेटी के सदस्य, मुख्य नर्सिंग अधिकारी अनिता रानी कंसल व संस्थान के नर्सिंग स्टाफ सहित महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, ऋषिकेश मेयर शम्भू पासवान, स्वामी आनन्द जी महाराज, माधव सेवा विश्राम सदन व रोटरी क्लब के सदस्यों सहित कई अन्य मौजद रहे।

राज्यपाल ने अंगदाताओं के परिजनों को किया सम्मानित

ऋषिकेश। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने एम्स, ऋषिकेश में अंगदान करने वाले 3 डिसीज्ड ऑर्गन डोनर और 12 लाइव ऑर्गन डोनरों के परिजनों को मंच से सम्मानित किया। इनमें डिसीज्ड ऑर्गन डोनर सचिन, रघु पासवान और श्रीमति निधि के परिजनों सहित किडनी और लीवर सहित शरीर के अन्य अंगों का दान कर चुके लोगों के परिजन भी शामिल रहे। इस अवसर पर राज्यपाल ने अंगदान को मानवता का सबसे बड़ा दान बताया और कहा कि अंगदान के प्रति जागरूकता का अभियान रूकना नहीं चाहिए। कहा कि अंगदान करने वाला व्यक्ति मरकर भी मानवता में बसकर अमर हो जाता है।

अमर उजाला

आस्था, विश्वास व जीवन रक्षा का केंद्र है एम्स ऋषिकेश : राज्यपाल

एम्स में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए एम्स के प्रयासों की सराहना की

कहा-एम्स ने दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंचाई आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं

संवाद न्यूज एजेंसी

ऋषिकेश। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश आस्था, विश्वास और जीवन रक्षा का केंद्र है। एम्स ने राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच आसान की है।

राज्यपाल मंगलवार को एम्स ऋषिकेश के मुख्य सभागार में आयोजित ट्रांसफॉर्मिंग लाइव्स थ्रू एडवांस ट्रॉमा केयर, ऑर्गन डोनेशन एंड नर्सिंग एक्सीलेंस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एम्स ऋषिकेश ने स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में मिसाल कायम कर नए आयाम स्थापित किए हैं। खासतौर से उन्होंने हेली मेडिकल इमरजेंसी सर्विस और संस्थान की ट्रॉमा मेडिकल सेवाओं को राज्य के लिए वरदान बताया।

राज्यपाल ने कहा कि बुझते चिराग को फिर से प्रकाशमय करने की शक्ति केवल चिकित्सकों में ही होती है। ऐसे में हमें संकल्प लेने की आवश्यकता है कि कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित न रहे। नर्सिंग पेशे को सर्वोच्च सम्मानित पेशा बताते हुए उन्होंने इसे मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम बताया। कहा कि नर्स में ममत्व की भावना होती है। वह भावनात्मक रूप से प्रत्येक रोगी की स्वास्थ्य देखभाल करना अपना पहला कर्तव्य समझती है। राज्यपाल ने एम्स की हेलीबॉर्न एम्बुलेंस, टेलिमेडिसिन और ड्रोन मेडिकल सेवा का जिक्र करते हुए संस्थान के ट्रॉमा मैनेजमेंट और हेल्थ मैनेजमेंट को अग्रणी बताया। साथ ही उन्होंने एम्स के ट्रॉमा विभाग को संकटमोचक विभाग की भी संज्ञा दी।

एम्स की कार्यकारी निदेशक डॉ. मीनू सिंह ने जनीं ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांट, ट्रॉमा टेलिमेडिसिन, नर्सिंग प्रोफेशनल सहित संस्थान की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्थान में अभी तक 23 किडनी ट्रांसप्लांट और एक लिवर ट्रांसप्लांट सफलता पूर्वक किया जा चुका है। कर्नल बीनू शर्मा, प्रो. बी.सत्या श्री, प्रो. कमर आजम, डॉ. मधुर उनियाल, प्रो. बी.के बस्तिया, ले. कर्नल गोपाल मेहरा, प्रो. शैलेंद्र हांडू, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, मेयर शंभू पासवान, स्वामी आनंद महाराज आदि उपस्थित रहे।

अंगदाताओं के परिजनों को सम्मानित करते राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह, साथ में खड़े हैं मेयर शंभू पासवान। स्रोत : निगम

अंगदाताओं के परिजनों को किया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने एम्स ऋषिकेश में अंगदान करने वाले 3 डिसीज्ड ऑर्गन डोनर और 12 लाइव ऑर्गन डोनरों के परिजनों को मंच से सम्मानित किया। इनमें डिसीज्ड ऑर्गन डोनर सचिन, रघु पासवान और निधि के परिजनों सहित किडनी और लिवर सहित शरीर के अन्य अंगों का दान कर चुके लोगों के परिजन भी शामिल रहे।

नवोदय टाइम्स

एम्स में आयोजित हुआ कार्यक्रम, राज्यपाल ने किया संबोधित

चिकित्सा विज्ञान के साथ स्वास्थ्य साधना को भी मजबूत कर रहा एम्स

श्यामपुर, 12 मई (नवोदय टाइम्स): राज्यपाल ले. जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, एम्स ऋषिकेश आस्था, विश्वास और जीवन रक्षा का केन्द्र है। एम्स ने राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच आसान की है और यह संस्थान चिकित्सा सेवा के माध्यम से केवल चिकित्सा विज्ञान ही नहीं अपितु स्वास्थ्य के क्षेत्र में साधना को भी मजबूत कर रहा है।

राज्यपाल मंगलवार को एम्स, ऋषिकेश के मुख्य सभागार में आयोजित 'ट्रांसफोर्मिंग लाइव्स थ्रो एडवांस ट्रॉमा केयर, आर्गन डोनेशन एण्ड नर्सिंग एक्सलेंस' कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एम्स ऋषिकेश ने स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में मिसाल कायम कर नए मानक स्थापित किए हैं। खासतौर से उन्होंने हेली मेडिकल इमरजेन्सी सर्विस और संस्थान की ट्रॉमा मेडिकल सेवाओं को राज्य के लिए वरदान बताया।

राज्यपाल ने कहा कि बुझते चिराग को फिर से प्रकाशमय करने की शक्ति केवल चिकित्सकों में ही होती है। ऐसे में हमें संकल्प लेने की आवश्यकता है, कि कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित न रहे। नर्सिंग पेशे को सर्वोच्च सम्मानित पेशा बताते हुए उन्होंने इसे मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम बताया। कहा कि नर्स में ममत्व की भावना होती है और वह भावनात्मक रूप से प्रत्येक रोगी की स्वास्थ्य देखभाल करना अपना पहला कर्तव्य समझती है। राज्यपाल ने एम्स की हेलीबॉर्न एम्बुलेंस, टेलिमेडिसिन और ड्रोन मेडिकल सेवा का जिक्र करते हुए संस्थान के ट्रॉमा मैनेजमेन्ट और हेल्थ मैनेजमेन्ट को अग्रणी बताया। साथ ही उन्होंने एम्स के ट्रॉमा विभाग को संकटमोचक विभाग की भी संज्ञा दी।

इससे पूर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह ने जनीं ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांट, ट्रॉमा टेलिमेडिसिन, नर्सिंग प्रोफेशनल सहित संस्थान की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि संस्थान द्वारा अभी तक 23 किडनी ट्रांसप्लांट और एक लीवर ट्रांसप्लांट सफलता पूर्वक किया जा चुका है। बताया कि चारधाम यात्रियों की स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए चिकित्सकों को विशेष तौर से प्रशिक्षित किया गया है।

कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि मिलिट्री नर्सिंग सेवा से रिटायर्ड कर्नल बीनू शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्या श्री, ट्रॉमा विभाग के हेड प्रो. कमर आजम, संस्थान में हेली इमरजेन्सी मेडिकल सेवा के नोडल ऑफिसर और ट्रॉमा सर्जन डॉ. मधुर उनियाल, डीन एक्जाम प्रो. बी.के बस्तिया आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान संस्थान के उप निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा, डीन रिसर्च प्रो. शैलेन्द्र हाण्डू, विभिन्न विभागाध्यक्ष, फेकल्टी सदस्य, ऑर्गन ट्रांसप्लांट कमेटी के सदस्य, मुख्य नर्सिंग अधिकारी अनिता रानी कंसल व संस्थान के नर्सिंग स्टाफ सहित महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, ऋषिकेश मेयर शम्भू पासवान, स्वामी आनन्द जी महाराज, माधव सेवा विश्राम सदन व रोटरी क्लब के सदस्यों सहित कई अन्य मौजद रहे।

अंगदाताओं के परिजनों को सम्मानित करते राज्यपाल।

राज्यपाल ने अंगदाताओं के परिजनों को किया सम्मानित

ऋषिकेश: कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने एम्स, ऋषिकेश में अंगदान करने वाले 3 डिसीज्ड ऑर्गन डोनर और 12 लाइव ऑर्गन डोनरों के परिजनों को मंच से सम्मानित किया। इनमें डिसीज्ड ऑर्गन डोनर सचिन, रघु पासवान और श्रीमति निधि के परिजनों सहित किडनी और लीवर सहित शरीर के अन्य अंगों का दान कर चुके लोगों के परिजन भी शामिल रहे। इस अवसर पर राज्यपाल ने अंगदान को मानवता का सबसे बड़ा दान बताया और कहा कि अंगदान के प्रति जागरूकता का अभियान रूकना नहीं चाहिए। कहा कि अंगदान करने वाला व्यक्ति मरकर भी मानवता में बरकर अमर हो जाता है।

स्वतंत्र चेतना

ट्रॉमा केयर, अंगदान और नर्सिंग सेवा मानवता के सशक्त स्तंभ : राज्यपाल

स्वतंत्र चेतना

ऋषिकेश। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से.नि.) ने कहा कि ट्रॉमा केयर, अंगदान और नर्सिंग सेवा केवल चिकित्सा विज्ञान के विषय नहीं हैं, बल्कि मानवता की रक्षा के तीन सशक्त स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि नर्सिंग सेवा करुणा, समर्पण और मातृत्व की भावना का जीवंत स्वरूप है तथा गंभीर अवस्था में मरीज के लिए नर्स विश्वास और सहारे का प्रतीक बन जाती है।

राज्यपाल मंगलवार को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ऋषिकेश में आयोजित 'उन्नत ट्रॉमा देखभाल, अंगदान और नर्सिंग उत्कृष्टता' विषयक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने नर्सिंग क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों तथा अंगदान करने वाले दानदाताओं एवं उनके परिजनों को सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि दुर्घटना के बाद का ह्यगोल्डन ऑवरह्व अत्यंत महत्वपूर्ण

होता है और समय पर उपचार मिलने से मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखंड जैसे पर्वतीय और दुर्गम राज्य में प्रभावी ट्रॉमा प्रबंधन की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। अंगदान के महत्व पर बल देते हुए उन्होंने इसे मानवता का सर्वोच्च दान बताया। उन्होंने समाज से अंगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने का आह्वान करते हुए कहा कि इससे अनेक लोगों को नया जीवन मिल सकता है। राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त की कि एम्स ऋषिकेश हेलीकॉप्टर एम्बुलेंस, टेलीमेडिसिन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बना रहा है। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं में एआई, रोबोटिक्स और आधुनिक डायग्नोस्टिक्स के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों की भी सराहना की। कार्यक्रम में ऋषिकेश के मेयर शंभू पासवान, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कण्डवाल, एम्स की कार्यकारी निदेशक डॉ. मीनू सिंह, डॉ. कमर आजम, डॉ. शैलेन्द्र शंकर, कर्नल बीनू शर्मा, डॉ. मधुर उनियाल सहित मेडिकल स्टाफ और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

दैनिक जनवाणी

चिकित्सा विज्ञान के साथ स्वास्थ्य साधना को भी मजबूत कर रहा एम्स

● जनवाणी ब्यूरो, ऋषिकेश

राज्यपाल ले. जनरल (सेवानिवृत) गुरमीत सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, एम्स ऋषिकेश आस्था, विश्वास और जीवन रक्षा का केन्द्र है। एम्स ने राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच आसान की है और यह संस्थान चिकित्सा सेवा के माध्यम से केवल चिकित्सा विज्ञान ही नहीं अपितु स्वास्थ्य के क्षेत्र में साधना को भी मजबूत कर रहा है। राज्यपाल मंगलवार को एम्स, ऋषिकेश के मुख्य सभागार में आयोजित 'ट्रांसफोर्मिंग लाइव्स थ्रो एडवांस ट्रॉमा केयर, आर्गन डोनेशन एण्ड नर्सिंग एक्सलेंस' कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एम्स ऋषिकेश ने स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में मिसाल कायम कर नए मानक स्थापित किए हैं। खासतौर से उन्होंने हेली मेडिकल इमरजेन्सी सर्विस और संस्थान की ट्रॉमा मेडिकल सेवाओं को राज्य के लिए वरदान बताया। राज्यपाल ने कहा कि बुझते चिराग को फिर से प्रकाशमय करने की शक्ति केवल चिकित्सकों में ही होती है। ऐसे में हमें संकल्प लेने की आवश्यकता है, कि कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित न रहे। नर्सिंग पेशे को सर्वोच्च सम्मानित पेशा बताते हुए उन्होंने इसे मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम बताया इससे पूर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान की कार्यकारी निदेशक

प्रोफेसर डॉ. मीनू सिंह ने बताया कि संस्थान द्वारा अभी तक 23 किडनी ट्रांसप्लांट और एक लीवर ट्रांसप्लांट सफलता पूर्वक किया जा चुका है। बताया कि चारधाम यात्रियों की स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए चिकित्सकों को विशेष तौर से प्रशिक्षित किया गया है। कार्यक्रम को विशिष्ट अतिथि मिलिट्री नर्सिंग सेवा से रिटायर्ड कर्नल बीनू शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्या श्री, ट्रॉमा विभाग के हेड प्रो. कमर आजम, संस्थान में हेली इमरजेन्सी मेडिकल सेवा के नोडल ऑफिसर और ट्रॉमा सर्जन डॉ. मधुर उनियाल, डीन एकजाम प्रो. बी.के बस्तिया आदि ने भी संबोधित किया।

दैनिक जागरण

एम्स ऋषिकेश विश्वास और जीवन रक्षा का केंद्र : राज्यपाल

एम्स ऋषिकेश में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल ने कहा कि, हम संकल्प लें कि कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से न रहे वंचित

जागरण संवाददाता, ऋषिकेश: राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान ऋषिकेश विश्वास और जीवन रक्षा का केंद्र है। एम्स ने राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच आसान की है। यह संस्थान चिकित्सा सेवा के माध्यम से केवल चिकित्सा विज्ञान ही नहीं बल्कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में साधना को भी मजबूत कर रहा है। यह बात राज्यपाल ने ऋषिकेश एम्स में आयोजित ट्रांसफोर्मिंग लाइव्स श्रो एडवांस ट्रामा केयर, आर्गन डोनेशन एंड नर्सिंग एक्सलेंस कार्यक्रम में कही।

एम्स में अंगदान करने वालों के स्वजन को सम्मानित करते राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेनि) गुरमीत सिंह, साथ में संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह • एम्स

अंगदाताओं के स्वजन को किया सम्मानित

कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने एम्स ऋषिकेश में अंगदान करने वाले तीन डिसीज्ड आर्गन डोनर और 12 लाइव आर्गन डोनरों के स्वजन को सम्मानित किया। इनमें डिसीज्ड आर्गन डोनर दिवंगत सविन, रघु पासवान और निधि के स्वजन सहित किडनी और लीवर सहित शरीर के अन्य अंगों का दान कर चुके लोगों के स्वजन भी शामिल रहे। राज्यपाल ने अंगदान को मानवता का सबसे बड़ा दान बताया। कहा कि अंगदान के प्रति जागरूकता का अभियान रुकना नहीं चाहिए। अंगदान करने वाला व्यक्ति मरकर भी मानवता में बसकर अमर हो जाता है।

राज्यपाल ने कहा कि एम्स ऋषिकेश ने स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में मिसाल कायम कर कई नए मानक स्थापित किए हैं। खासतौर से उन्होंने हेली मेडिकल इमरजेंसी सर्विस और संस्थान की ट्रामा मेडिकल सेवाओं को राज्य के लिए वरदान बताया। उन्होंने कहा कि बुझते चिराग को फिर से प्रकाशमय करने की शक्ति केवल चिकित्सकों में ही होती है। ऐसे में हमें संकल्प लेने की आवश्यकता है कि कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित न रहे। नर्सिंग पेशे को सर्वोच्च सम्मानित पेशा बताते हुए उन्होंने इसे मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम बताया। कहा कि नर्स में ममत्व की भावना होती है और वह भावनात्मक रूप से प्रत्येक रोगी की स्वास्थ्य देखभाल करना अपना पहला कर्तव्य समझती है। उन्होंने एम्स के ट्रामा विभाग को संकटमोचक विभाग की भी संज्ञा दी। संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने जर्नी आफ आर्गन ट्रांसप्लांट, ट्रामा टेलिमेडिसिन, नर्सिंग प्रोफेशनल सहित संस्थान की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संस्थान की ओर से अब तक 23 किडनी और एक लीवर ट्रांसप्लांट सफलता पूर्वक किया जा चुका है। बताया कि चारधाम यात्रियों की स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए चिकित्सकों को विशेष तौर से प्रशिक्षित किया गया है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि मिलिट्री नर्सिंग सेवा से रिटायर्ड कर्नल बीनू शर्मा, चिकित्सा अधीक्षक प्रो. बी. सत्या श्री, ट्रामा विभाग के हेड प्रो. कमर आजम, संस्थान में हेली इमरजेंसी मेडिकल सेवा के नोडल आफिसर और ट्रामा सर्जन डा. मधुर उनियाल, डीन एकजाम प्रो. बी.के बास्तिया आदि ने भी संबोधित किया। इस दौरान संस्थान के उप निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा, डीन रिसर्च प्रो. शेलेंद्र हांडू, आर्गन ट्रांसप्लांट कमेटी के सदस्य, मुख्य नर्सिंग अधिकारी अनिता रानी कंसल, राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, महापौर शंभू पासवान, स्वामी आनंद महाराज आदि मौजूद रहे।

उत्तराखंड संस्करण
पंजाब केसरी

चिकित्सा विज्ञान व स्वास्थ्य को मजबूत कर रहा एम्स: राज्यपाल

ऋषिकेश, (पंजाब केसरी): राज्यपाल ले. जनरल (सेवानिवृत) गुरमीत सिंह ने कहा कि अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एम्स ऋषिकेश आस्था, विश्वास और जीवन रक्षा का केन्द्र है। एम्स ने राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पंहुच आसान की है और यह संस्थान चिकित्सा सेवा के माध्यम से केवल चिकित्सा विज्ञान ही नहीं अपितु स्वास्थ्य के क्षेत्र में साधना को भी मजबूत कर रहा है। राज्यपाल मंगलवार को एम्स ऋषिकेश के मुख्य सभागार में आयोजित ट्रांसफोर्मिंग लाइव्स श्रो एडवांस ट्रॉमा केयर, आर्गन डोनेशन एण्ड नर्सिंग एक्सलेंस कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के तौर पर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एम्स ऋषिकेश ने स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में मिसाल कायम कर नए मानक स्थापित किए हैं। खासतौर से उन्होंने हेली मेडिकल इमरजेन्सी सर्विस और संस्थान की ट्रॉमा मेडिकल सेवाओं को राज्य के लिए

वरदान बताया। राज्यपाल ने कहा कि बुझते चिराग को फिर से प्रकाशमय करने की शक्ति केवल चिकित्सकों में ही होती है। ऐसे में हमें संकल्प लेने की आवश्यकता है कि कोई भी व्यक्ति चिकित्सा सुविधा से वंचित न रहे। नर्सिंग पेशे को सर्वोच्च सम्मानित पेशा बताते हुए उन्होंने इसे मानव सेवा का सबसे बड़ा माध्यम बताया। इससे पूर्व कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान की कार्यकारी निदेशक प्रो. मीनू सिंह ने जर्नी ऑफ ऑर्गन ट्रांसप्लांट, ट्रॉमा टेलिमेडिसिन, नर्सिंग प्रोफेशनल सहित संस्थान की विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला। इस दौरान संस्थान के उप निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा, डीन रिसर्च प्रो. शेलेन्द्र हाण्डू, विभिन्न विभागाध्यक्ष, फेकल्टी सदस्य, ऑर्गन ट्रांसप्लांट कमेटी के सदस्य, मुख्य नर्सिंग अधिकारी अनिता रानी कंसल व संस्थान के नर्सिंग स्टाफ सहित महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल, ऋषिकेश मेयर शम्भू पासवान, स्वामी आनन्द जी महाराज, माधव सेवा विश्राम सदन व रोटरी क्लब के सदस्यों सहित कई अन्य मौजद रहे।

The Hawk

AIIMS Rishikesh Sets New Benchmarks In Trauma Care And Organ Transplants

- **AIIMS is strengthening holistic health practice along with medical science**
- **A program was organised at AIIMS; the Governor addressed the gathering.**
- **Families of organ donors were honoured.**

Rishikesh (The Hawk): Governor Lt. General (Retd.) Gurmit Singh said that the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Rishikesh, is a centre of faith, trust, and life-saving care. AIIMS has made access to healthcare easier even in the remote regions of the state, and through its medical services, the institute is strengthening not only medical science but also the broader practice of health and healing.

The Governor was addressing the program titled "Transforming Lives Through Advanced Trauma Care, Organ Donation and Nursing Excellence" held on Tuesday at the main auditorium of AIIMS Rishikesh as the chief guest. He said that AIIMS Rishikesh has set new benchmarks and become a model in the field of healthcare services. In particular, he described the heli-medical emergency service and the institute's trauma medical services as a boon for the state.

The Governor said that only doctors possess the power to rekindle an extinguished lamp of life. Therefore, there is a need to take a collective pledge that no individual should remain deprived of medical facilities. Calling nursing one of the most respected professions, he described it as the greatest medium of human service. He said that nurses embody compassion and consider the emotional and physical care of every patient as their foremost duty. Referring to AIIMS' heliborne ambulance service, telemedicine, and drone medical service, the Governor described the institute's trauma and health management systems as pioneering initiatives. He also termed the Trauma Department of AIIMS as a "department of saviours in times of crisis."

Earlier, while addressing the gathering, the institute's Executive Director, Prof. Meenu Singh, elaborated on the journey of organ transplantation, trauma telemedicine, nursing professionals, and various healthcare services of the institute. She informed that the institute has successfully performed 23 kidney transplants and one liver transplant so far. She also stated that, considering the health issues faced by Char Dham pilgrims, doctors have been specially trained.

The program was also addressed by distinguished guest Retired Colonel Beenu Sharma from the Military Nursing Service, Medical Superintendent Prof. B. Satya Sri, Head of the Trauma Department Prof. Kamar Azam, Nodal Officer for the institute's heli-emergency medical service and trauma surgeon Dr Madhur Uniyal, Dean Examination Prof. B.K. Bastia, and others.

Present on the occasion were Deputy Director (Administration) Lt. Colonel Gopal Mehra, Dean Research Prof. Shailendra Handu, heads of various departments, faculty members, members of the Organ Transplant Committee, Chief Nursing Officer Anita Rani Kansal, nursing staff of the institute, Chairperson of the Women's Commission Kusum Kandwal, Rishikesh Mayor Shambhu Paswan, Swami Anand Ji Maharaj, and members of Madhav Seva Vishram Sadan and Rotary Club, along with several other dignitaries.

Governor Honoured Families of Organ Donors

Rishikesh: During the program, the Governor honoured the families of three deceased organ donors and 12 living organ donors who had donated organs at AIIMS Rishikesh. These included the families of deceased organ donors Sachin, Raghu Paswan, and Mrs Nidhi, as well as the families of individuals who had donated kidneys, liver, and other body organs. On this occasion, the Governor described organ donation as the greatest gift to humanity and emphasised that awareness campaigns regarding organ donation should never stop. He said that a person who donates organs becomes immortal by continuing to live on in humanity even after death.

The Himachal Times

Governor highlights role of AIIMS Rishikesh in strengthening holistic healthcare

Dehradun, May 12, (HTNS) Governor Lt. General (Retd.) Gurmit Singh said that the All India Institute of Medical Sciences (AIIMS), Rishikesh, is a centre of faith, trust, and life-saving care. AIIMS has made access to healthcare easier even in the remote regions of the state, and through its medical services, the institute is strengthening not only medical science but also the broader practice of health and healing.

The Governor was addressing the program titled "Transforming Lives Through Advanced Trauma Care, Organ Donation and Nursing Excellence" held on Tuesday at the main auditorium of AIIMS Rishikesh as the chief guest. He said that AIIMS Rishikesh has set new benchmarks and become a model in the field of healthcare services. In particular, he described the heli-medical emergency service and the institute's trauma medical services as a boon for the state.

The Governor said that only doctors possess the power to rekindle an extinguished lamp of life. Therefore, there is a need to take a collective pledge that no individual should remain deprived of medical facilities. Calling nursing one of the most respected professions, he described it as the greatest medium of human service. He said that nurses embody compassion and consider the emotional and physical care of every patient as their foremost duty. Referring to AIIMS' heliborne ambulance service, telemedicine, and drone medical service, the Governor described the institute's trauma and health management systems as pioneering initiatives. He also termed the Trauma Department of AIIMS as a "department of saviours in times of crisis."

Earlier, while addressing the gathering, the institute's Executive Director, Prof. Meenu Singh, elaborated on the journey of organ transplantation, trauma telemedicine, nursing professionals, and various healthcare services of the institute. She informed that the institute has successfully performed 23 kidney transplants and one liver transplant so far. She also stated that, considering the health issues faced by Char Dham pilgrims, doctors have been specially trained.

The program was also addressed by distinguished guest Retired Colonel Beenu Sharma from the Military Nursing Service, Medical Superintendent Prof. B. Satya Sri, Head of the Trauma Department Prof. Kamar Azam, Nodal Officer for the institute's heli-emergency medical service and trauma surgeon Dr Madhur Uniyal, Dean Examination Prof. B.K. Bastia, and others.

Present on the occasion were Deputy Director (Administration) Lt. Colonel Gopal Mehra, Dean Research Prof. Shailendra Handu, heads of various departments, faculty members, members of the Organ Transplant Committee, Chief Nursing Officer Anita Rani Kansal, nursing staff of the institute, Chairperson of the Women's Commission Kusum Kandwal, Rishikesh Mayor Shambhu Paswan, Swami Anand Maharaj, and members of Madhav Seva Vishram Sadan and Rotary Club, along with several other dignitaries.